Name of the Paper : राष्ट्रीय सहारा

Published at : Delhi

Date : 27 OCT 2009

'विकास में सार्वजनिक प्रसारण की अहम भूमिका'

नई दिल्ली (एसएनबी)। निजी चैनलों की भीड़ के बावजूद सार्वजनिक प्रसारण-आकाशवाणी और दूरदर्शन की भूमिका देश के विकास में कम नहीं हुई है। इसमें आकाशवाणी और दूरदर्शन के जिलास्तरीय संवाददाताओं की अहम भूमिका है।

यह बात केंद्रीय पेट्रोलियम राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने सोमवार को यहां कांस्टीट्यूशनल क्लब सभागार में 'आल इंडिया रेडियो (एआईआर)/ डीडी न्यूज (प्रसार भारती) जिला संवाददाता एसोसिएशन' द्वारा 'राष्ट्रीय विकास में प्रसार माध्यमों की भूमिका' विषय पर आयोजित एक सेमिनार में कही। उन्होंने कहा कि आकाशवाणी और दूरदर्शन के संवाददाता बिना किसी व्यावसायिक लाभ की इच्छा के निस्वार्थ और निष्पक्ष भाव से समाचार संकलन और प्रेषण का कार्य करते हैं। उन्होंने संवाददाताओं को आश्वस्त किया कि वह उनकी समस्याओं के निदान के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे।

देश भर से आए एआईआर और डीडी न्यूज संवाददाताओं को उद्घाटन सत्र में संबोधित करते हुए प्रसार भारती के सीईओ बलजीत सिंह लाली ने कहा कि एआईआर और डीडी न्यूज की बड़ी शक्ति जिलों में मौजूद है, लेकिन उसका सही उपयोग नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि देश की आबादी का एक बड़ा भाग गरीबी से जूझ रहा है। देश की जन समस्याओं को सही अभिव्यक्ति देने वाली श्रृखला की कड़ी आप लोग हैं। अतः इस कड़ी को मजबूत करना हमारा कर्तव्य भी है। श्री लाली ने आकाशवाणी/दूरदर्शन संवाददाताओं को शीघ्र ही मानदेय और अन्य भत्ते बढ़ाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि संवाददाताओं के कार्य कौशल को बढ़ाने के लिए कार्यशालाएं आयोजित कराई जाएंगी।

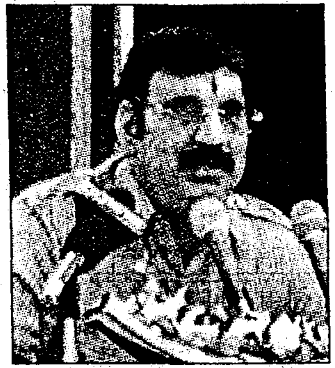

सेमिनार को संबोधित करते केंद्रीय पेट्रोलियम राज्यमंत्री जितिन प्रसाद (बाएं) और सहारा इंडिया मीडिया के मुद्रक एवं प्रकाशक स्वतंत्र मिश्रा।

एआईआर/डीडी न्यूज जिला संवाददाता एसोसिएशन का सेमिनार

इससे पूर्व एसोसिएशन के अध्यक्ष अभय शंकर गौड़ ने अतिथियों का स्वागत करते हुए संवाददाताओं का मानदेय बढ़ाने, दूरदर्शन में उनके योगदान को बढ़ाने, प्रशिक्षण कार्यक्रम को जारी रखने और आधुनिक संचार माध्यमों की सुविधा उन्हें उपलब्ध कराने से संबंधित 13 सूत्रीय मांग पत्र दिया। सेमिनार में महानिदेशक आकाशवाणी (समाचार) मोहन चांडक, अपर महानिदेशक साधना राउत, उप महानिदेशक दूरदर्शन श्रीमती धारणी मिश्रा, आकाशवाणी के उपमहानिदेशक राजकमल, टाटा स्टील के मुख्य कार्यकारी संजय चौधरी और आल इंडिया फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एसोसिएशन के अध्यक्ष डा. ए नजीरुल अमीन भी मौजूद रहे।

सेमिनार में विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित सहारा इंडिया मीडिया के मुद्रक व प्रकाशक स्वतंत्र मिश्रा ने कहा कि सार्वजनिक प्रसारण यानी मीडिया- एक ऐसा शब्द है जिसकी समाज के विकास और लोगों को न्याय दिलाने में महती भूमिका रही है। मीडिया पर लोगों का कितना भरोसा और कितनी निर्भरता है, इसकी बानगी कुछ यूं है-

अंधेरी रात में किसका आशियाना जला
सवेरे पढ़ लेंगे, कहां पर आग लगी।

दूसरी तरफ यही मीडिया यदि अपने दायित्व से भटक जाए तब क्या होता है, देखें इन पंक्तियों में-

समंदर की खामोशियां कुछ और कहती हैं
साहिल की टूटी कश्तियां कुछ और कहती हैं
कल रात हमारी आंख ने नजारा कुछ और देखा था,
लेकिन अखबार की सुर्खियां कुछ और कहती हैं।

श्री मिश्रा ने कहा कि जब होता कुछ और है तथा मीडिया दिखाता कुछ और है तब पूरा समाज न्याय से वंचित हो जाता है। इस स्थिति से मीडिया को बचना ही चाहिए। उन्होंने कहा कि दूरदर्शन और आकाशवाणी भारतीय मीडिया के विकास के आधार स्तम्भ रहे हैं। आज यह दोनों माध्यम तकनीक के मामले में निजी समाचार चैनलों से होड़ ले रहे हैं। इन दोनों प्रसार माध्यमों का देश पर सबसे अधिक असर होता है क्योंकि जहां निजी समाचार चैनल नहीं पहुंच सकते वहां दूरदर्शन और आकाशवाणी का ही सहारा होता है।